हिन्दू विवाह - एक संस्कार

हिन्दू विवाह को एक समझौता नहीं समझते हैं, अपितु इसे वे जीवन पथ का आवश्यक धार्मिक संस्कार समझते हैं। कपाडिया ने लिखा है "हिन्दू विवाह एक संस्कार है।" प्रभु ने भी इसी प्रकार लिखा है "अतः हिन्दू के लिए विवाह एक संस्कार है तथा इस कारण विवाह सम्बन्ध में जुड़ने वाले पक्षों का सम्बन्ध संस्कार रूपी है न कि प्रसंविदा की प्रकृति का।" हिन्दू मोक्ष को अपना गन्तव्य मानते हैं। मोक्ष प्राप्ति के लिए कहा गया है कि पुत्र की प्राप्ति आवश्यक है। इस के बिना पितृ ऋण नहीं चुकाया जा सकता है। अतः विवाह किये बिना मोक्ष संभव नहीं। दृष्टान्त रूप एक कथा आती है कि कुणि गर्ग की कन्या बिना विवाह के सीधे ही मोक्ष प्राप्ति के लिए कठोर

समझौता	m	agreement
अपितु	conj	but rather
कपाडिया	PNm	K. M. Kapāḍiyā
प्रभु	PNm	P. H. Prabhu
जुड़ना	i	to join, to be joined
पक्ष	m	party, faction, side
रूपी	adj	of. . . character
प्रसंविदा	f	contract
गन्तव्य	m	goal
प्राप्ति	f	gaining, obtaining
पितृ ऋण	m	ancestral debt
चुकाना	t	to satisfy, to repay
दृष्टान्त रूप	adv ph	by way of illustration
कुणि गर्ग	PNf	'Garga of the Withered Arm'
कन्या	f	daughter
कठोर	adj	severe, harsh

तपस्या कर रही थी, उस समय नारद जी उससे कहा कि देवि तुम को मोक्ष बिना ववाह किये नहीं मिलेगा। अतः उसने नारद जी की आज्ञा से एक ब्राह्मण कुमार को अपना आधा तप से उससे विवाह किये। इसी प्रकार पिण्डोदक क्रिया के लिए औरस पुत्र को आवश्यक समझा जाता है। औरस पुत्र वह पुत्र होता है जो कि धर्म पूर्वक विवाहित पत्नी से उत्पन्न होता है। अतः पिण्ड क्रिया जो कि धर्म का आवश्यक अंग ही है, करने वाला अवश्य होना चाहिये, अन्यथा पितर दुःखी होते हैं।

हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति धर्म की उपासना अकेले नहीं कर सकता है। जब तक वह अविवाहित रहता है वह अयज्ञीय माना जाता है (अयज्ञीय एव वा योऽपत्नीकः); क्योंकि उसका मानसिक बल पूरा नहीं होता है।

तपस्या	f	austerities
नारद	PNm	Nārada, a great Divine Sage
आधा	m	half
तप	m	austerities
note		'she. . .married half of herself to a Brahmin prince'
पिण्डोदक क्रिया	PNf	the ceremony of offering rice and water to the departed spirits
औरस	adj	legitimate
पूर्वक	adj	fulfilling
विवाहित	adj	married
अङ्ग m	part	
पितर	m	the ancestors
उपासना	f	devotion
अयज्ञीय	adj	not worthy of doing yajna

अयज्ञीय एव वा योऽपत्नीकः।

(Sanskrit) 'He is truely not worthy of doing yajña who is wifeless.'

मानसिक	adj	mental
बल, बलांश	m	powers

"मानसिक बलांश को पूर्ण करने के लिए, चित्तवृत्तियों की एकाग्रता के लिए, काम की प्रवृत्ति के प्रकोप से बचाने के लिए यह आवश्यक है कि पुरुष के साथ प्रत्येक धर्म कार्य की पूर्ति के लिए स्त्री का होना आवश्यक है।" रामचन्द्र जी को अपने अश्वमेध यज्ञ की पूर्ति के लिये सीता की स्वर्ण प्रतिमा रखनी पड़ी थी। धार्मिक क्रियाओं में पत्नी का होना आवश्यक माना जाता है। साथ ही गृहस्थ के लिए जो पंचमहायज्ञों का विधान है वह भी पत्नी के अभाव में संभव नहीं है।

हिन्दू धर्म में आश्रम व्यवस्था का बहुत महत्त्व है। गृहस्थ आश्रम का प्रारम्भ ही विवाह के उपरान्त होता है। इसी प्रकार मनुष्य को चार पुरुषार्थों की उपासना का विधान है; उनमें एक काम तथा दूसरा अर्थ स्त्री की सहायता से ही पूरा किया जा सकता है। आज के समाज में चाहे इसे

चित्तवृत्ति	f	mentality (waving of the mind)
एकाग्रता	f	resoluteness, concentration
प्रवृत्ति	f	attachment
प्रकोप	m	disorder
कार्य	m	dutiful action
पूर्ति	f	fulfillment
रामचन्द्र	PNm	Rāma
अश्वमेध यज्ञ	m	'Horse Sacrifice'
स्वर्ण	m/adj	gold(en)
प्रतिमा	f	image, idol
गृहस्थ	m	the 'Householder'
पंचमहायज्ञ	m	the'Five Great Sacrifices'
अभाव	m	lack, absence
के उपरान्त	pp	after
चार पुरुषार्थ	m	'The Four Ends of Man'
चाहे	conj	no matter, although

आवश्यक न समझा जाए परन्तु पहले जब समाज की मान्यताएँ दूसरी थीं, आर्थिक व्यवस्था भिन्न थी तब इसे आवश्यक साधन ही माना जाता था।

वंश परम्परा चलाने की इच्छा प्रत्येक व्यक्ति के मन में होती है। आज भी भारत में जिस दम्पति के पुत्र नहीं होता है वे पुत्र के लिए दुःखी होती हैं कि क्या वंश में नाम लेने वाला भी नहीं होगा?

हिन्दू धर्म के प्रणेता ऋषि, मनुष्य की एक आवश्यक कमज़ोरी उसकी यौन सम्बन्धी इच्छा को भली प्रकार जानते थे; इसीलिये यौन सम्बन्धी अपराध समाज में न बढ़े एवं इस कामना की तृप्ति मात्र के लिये व्यक्ति कहीं अपने चरम लक्ष्य मोक्ष को न भूल जाएँ; अतः उन्होंने संन्यास आश्रम में प्रवेश करने से पूर्व उसकी इस इच्छा की पूर्ति के लिए विवाह की अनिवार्यता को

मान्यता	f	mores, respected standards
आर्थिक	adj	economic
भिन्न	adj	different
साधन	m	matter, means
वंश	m	lineage
परम्परा	f	descent, progeny
दम्पति	f	couple, pair
प्रणेता	m	creator
कमज़ोरी	f	weakness
भली प्रकार	adv ph	fully
अपराध	m	offence
कामना	f	desire, lust
मात्र के लिए	(m) adv ph	for a moment
चरम लक्ष्य	adj+m	final goal
से पूर्व	pp	prior to
पूर्ति	f	completion
अनिवार्यता	f	inevitability

स्वीकार किया। ऋषि दीर्घतमस् ने कहा है कि कोई भी अविवाहित न रहे। यम ने तो यहाँ तक कह दिया है कि लड़की की उम्र अधिक होने लगे और उचित एवं योग्य वर न मिले तो उसका विवाह अयोग्य के साथ ही कर देना चाहिये। ज़ेन्दा अवेस्था के अनुसार अविवाहित पुरुष समाज में विवाहित पुरुषों की अपेक्षा शङ्का की दृष्टि से देखे जाते थे। इस विषय में विल डचूराँ (Will Durant) का कथन दर्शनीय है, वह लिखता है "संभवतः विवाह केवल बच्चों एवं सम्पत्ति की अच्छी देख-भाल के लिए ही विकसित नहीं हुआ है अपितु हमें लिङ्गीय अत्याचारों से बचाने के लिए।"

दीर्घतमस्	PNm	'Harsh Austerities'
यम	PNm	('Death') 'Self-control'
उम्र	f	age
उचित	adj	proper
योग्य	adj	worthy
वर	m	bridegroom
अयोग्य	adj	unworthy
ज़ेन्दा अवेस्था	PNm	Zenda Avesta
की अपेक्षा	pp	by comparison with
शङ्का	f	suspicion
कथन	m	statement
दर्शनीय	adj	noteworthy
सम्भवतः	adv	possibly, probably
सम्पत्ति	f	property
देख-भाल	f	care, supervision
लिङ्गीय	adj	sexual
अत्याचार	m	tyranny
बचाना	t	to save

इसके अतिरिक्त हिन्दू धर्म में विवाह को निरा धार्मिक कृत्य ही नहीं समझा जाता है। विवाह से मनुष्य अपने प्रति, परिवार के प्रति, समाज के प्रति कर्तव्य का पालन करता है। विवाह करने के उपरान्त ही मनुष्य पूर्ण माना जाता है। हमारे यहाँ ईश्वर को भी पत्नी सहित माना गया है; तभी तो अर्धनारीश्वर की कल्पना की गई है। प्रत्येक देवता के साथ एक न एक धर्म पत्नी जुड़ी हुई है। स्त्री को पुरुष का आधा अङ्ग माना जाता है; उसकी पूर्णता पत्नी की प्राप्ति तथा बच्चे के हो जाने पर ही होती है। एक किम्वदन्ती है कि जगत गुरु शंकराचार्य से जब शास्त्रार्थ में मण्डन मिश्र हार गये तब उनकी पत्नी शारदा ने कहा था कि अभी तो आपने मेरे पति को हराया है; मुझे हराइये तब पूर्ण हार होगी। शारदा से शास्त्रार्थ करने पर

निरा	adv	completely
पालन करना	m+t	to protect, to maintain
ईश्वर	m	God
सहित	pp	with
अर्धनारीश्वर	PNm	the god 'Half-woman'

अर्ध half + नारी woman + ईश्वर god

कल्पना	f	notion
पूर्णता	f	completeness
प्राप्ति	f	obtaining
किम्वदन्ती	f	rumour, story
जगत् गुरु	(title)	'World Teacher'
शास्त्रार्थ	m	debate (on the meaning of the Śāstras)
मण्डन मिश्र	PNm	Maṇḍan Miśra
हारना	i	to be defeated
हराना	t	to defeat
हार	f	defeat

शंकराचार्य जी ने काम विषय के प्रश्नों के उत्तरों को न दे पाने के कारण ही राजा अमरू की मृत्यु पर उसके शरीर में प्रवेश कर काम सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त किया। इस प्रकार बिना विवाह किये व्यक्ति विद्या के क्षेत्र में भी अधूरा रह जाता है।

इसके साथ-साथ व्यक्ति का समाज के प्रति दायित्व है, परिवार के प्रति दायित्व है कि वह संतति उत्पन्न करे तथा सृष्टि के विकास में अपना सहयोग देता रहे। अनेक यज्ञ वह इसी माध्यम से पूरे कर सकता है। संक्षेप में निम्न तथ्यों के आधार पर हिन्दू विवाह को एक संस्कार माना जा सकता है -

(१) हिन्दू विवाह एक धार्मिक कृत्य है।

(२) हिन्दू बिना विवाह के मोक्ष प्राप्त नहीं कर सकता है।

काम विषय	m	the subject of love
न दे पाने के कारण		because of not being able to give . . .
ज्ञान	m	knowlege
प्राप्त करना	adj+t	to gain, to get
विद्या	m	learning, scholarship
क्षेत्र	m	field
अधूरा	m	half-complete
दायित्व	m	responsibility
संतति	f	offspring
उत्पन्न करना	adj+t	to give birth
सृष्टि	f	creation
सहयोग	m	help
माध्यम	m	medium, means
संक्षेप	m	summary
निम्न	adj	following
तथ्य	m	fact

(३) अर्थ तथा काम की साधना जो हिन्दू धर्म के आवश्यक अङ्ग हैं, उन्हें इसी की सहायता से पूरा किया जा सकता है ।
(४) धर्म पत्नी के अभाव में व्यक्ति यज्ञ नहीं कर सकता है ।
(५) धर्म पत्नी के अभाव में पितृ ऋण को नहीं चुका सकता है । पितरों के श्राद्ध के लिए यह आवश्यक है कि पुत्र हों ।
(६) पुत्र ही व्यक्ति को 'पुन्' नाम के नरक से बचाता है ।
(७) धर्म पत्नी के अभाव में व्यक्ति शङ्का की दृष्टि से देखा जाता है ।
(८) धर्म पत्नी एवं पुत्र के बाद ही उसे पूर्ण माना जाता है ।
(९) विवाह एक धार्मिक क्रिया से पूरा किया जाता है । अग्नि के समक्ष लाजाहोम, सप्तपदी एवं पाणि ग्रहण आदि क्रियायें आवश्यक हैं, जिनके अभाव में विवाह की मान्यता संदिग्ध हो सकती है ।
(१०) विवाह के माध्यम से ही व्यक्ति समाज तथा परिवार के प्रति अपने दायित्वों का पालन करता है ।

अर्थ	m	wealth (1 of the 4 'Ends of Man')
काम	m	pleasure (1 of the 4 'Ends of Man')
साधना	f	fulfillment
श्राद्ध m	offering (for the Manes)	
पुत्+नाम=पुन् नाम	PNm	'Put' by name (i.e. the name of a hell)
नरक	m	hell
के समक्ष	pp	in front of
लाजाहोम	m	burnt offering of rice
सप्तपदी	m	(name of a ceremony) 'Seven Steps'
पाणि ग्रहण	m	(name of a ceremony) 'Hand Taking'
मान्यता	f	respectability
संदिग्ध	adj	doubtful
पालन करना	m+t	to protect

(११) शिक्षा की पूर्णता भी विवाह के माध्यम से सम्भव है ।

(१२) पति-पत्नी के सम्बन्धों को अविच्छेदनीय माना जाना एवं पत्नी के लिए प्रत्येक स्थिति में पति परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना हिन्दू विवाह को एक संस्कार के रूप में हमारे समक्ष उपस्थित करता है ।

हिन्दू विवाह की प्रक्रिया

हिन्दू विवाह एक धार्मिक कृत्य है, अतः इस संस्कार की पूर्ति के लिए अनेक प्रक्रियाएँ करनी होती हैं । थोड़े बहुत अन्तर से धार्मिक नीति से पूरे होने वाले विवाह निम्नलिखित क्रियाओं में से क्रमशः गुज़रते हैं ।

(१) कन्यादान - हिन्दुओं में वर पक्ष के व्यक्ति बारात लेकर वधू पक्ष के यहाँ जाते हैं । कन्या का पिता योग्य वर को आसन देता है । पैर धोने के लिए जल भी देता है । इसके पश्चात् उसका अतिथि सत्कार करने के उपरान्त

शिक्षा	f	instruction
अविच्छेदनीय	adj	indissoluble
प्रक्रिया	f	process
थोड़े बहुत अन्तर से	note	'with rather great differences'
कन्यादान	m	daughter-giving
वधू	f	bride
पक्ष	m	side, wing
बारात	f	wedding procession
योग्य	adj	(to be joined) prospective; worthy
आसन	m	seat
के पश्चात्	pp	after
अतिथि	m	guest
सत्कार	m	hospitality

कन्यादान करता है। कन्यादान के समय कन्या का पिता वर को कन्या का दान करता हुआ कहता है "अमुक गोत्र में उत्पन्न, अमुक नाम वाली, अलंकृत इस कन्या को आप स्वीकार करें।" इस पर वर कहता है "मैं स्वीकार करता हूँ।" इसके साथ-साथ वर उपस्थित लोगों के सामने रक्षा की तथा जन्म भर साथ रहने की घोषणा करता है।

(२) <u>विवाह होम</u> - अब यज्ञ की तैयारी प्रारम्भ हो जाती है। इस समय पुरोहित की नियुक्ति की जाती है। कन्यादान के समय पुरोहित होना आवश्यक नहीं। वेदी के एक तरफ़ कलश रखा जाता है। इस समय यज्ञ में अनेक घृत की आहुतियाँ दी जाती हैं। इसमें अनेक देवी देवताओं की उपासना होती है तथा उनसे शक्ति, सुख आदि की माँग की जाती है।

(३) <u>पाणिग्रहण</u> - पाणिग्रहण विवाह संस्कार की एक आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण रीति है। पाणिग्रहण में वर वधू का हाथ पकड़ता है। इस समय

अमुक	adj	such & such
गोत्र	m	'Gotra', clan
अलंकृत	adj	adorned
स्वीकार करना	m+t	to accept
उपस्थित	adj	present
घोषणा	f	announcement
होम	m	burnt offering
पुरोहित	m	sacrificing priest
नियुक्ति	f	nomination
वेदी	f	altar
कलश	m	top ornament
आहुति	f	offering
सुख	m	happiness
माँग	f	request
रीति	f	custom

वर-वधू अनेक प्रकार की प्रतिज्ञाएँ करते हैं जैसे पति कहता है "हे देवी मैंने तेरा हाथ क्या पकड़ा है मानो ऐश्वर्य का हाथ पकड़ लिया है। तू मेरे साथ बुढ़ापे तक रहना। तू मेरी पोष्य है। मैं तेरा पोषण करूँगा। मुझ पति के साथ संतान उत्पन्न करती हुई सौ बरस तक जीना" आदि।

(४) अग्नि परिणयन - पाणिग्रहण के पश्चात् यज्ञ कुण्ड की एक परिक्रमा गाँठ बाँधकर करते हैं। अग्नि को साक्षी करके वे आपस में कहते हैं "मैं यह हूँ, तू वह है, तू वह है, मैं यह हूँ; मैं सामवेद हूँ, तू ऋग्वेद है; मैं द्युलोक हूँ, तू पृथ्वी लोक है; हम दोनों विवाह करें, प्रजा को उत्पन्न करें, हमारे अनेक पुत्र

प्रतिज्ञा	f	promise
ऐश्वर्य	m	wealth
बुढ़ापा	m	old age
पोष्य	(f)	one to be supported
पोषण	m	supporting
बरस	m	year
जीना	i	to live
परिणयन	m	marriage
कुण्ड	m	sacred-fire pit or vessel
परिक्रमा	f	circumambulation
गाँठ बाँधना	m+t	to tie the knot (in the ends of the bride's and groom's garments)
साक्षी	m	witness
द्युलोक	m	(heaven) sky
प्रजा	m	offspring

हों, वे पुत्र दीर्घ आयु के हों, वे प्यारे हों, तेजवान हों, मनस्वी पुत्र हों। हम और हमारे पुत्र सौ साल तक देखते सुनते रहें, सौ साल तक हम जीते रहें।"

(५) अश्वारोहण - आरोहण का अर्थ चढ़ने से है। अग्नि परिनयण के पश्चात् पास रखी पत्थर की शिला पर स्त्री को चढ़ने का विधान है। इस समय वह कहता था कि 'अश्मेव त्वं स्थिरा भव' अर्थात् तुम इस पत्थर की तरह स्थिर स्वभाव वाली बनो। कोई भी तुम्हारे पतिव्रत धर्म को विचलित न कर सके।

(६) सप्तपदी - अग्नि परिणयन, जिन्हें विवाह के फेरे भी कहते हैं, के बाद यह एक आवश्यक क्रिया है। सप्तपदी में वर वधू उठकर खड़े हो जाते

दीर्घ	adj	long
आयु	f	life
प्यारा	adj	pleasing, beloved
तेजवान	adj	strong
मनस्वी	adj	intelligent
अश्वारोहण	m	horse-riding
चढ़ना	i	to mount, to ride
के पश्चात्	pp	afterwards
पत्थर	m	stone
शिला	f	rock
अर्थात्	adv	which means
स्थिरadj	firm	
स्वभाव	m	nature, character
तुम . . . बनो	trans >	'may you become . . .'
सप्तपदी	f	'The Seven Steps'
फेरा	m	going around
उठना	i	to get up

हैं। यज्ञ कुण्ड के उत्तर भाग में खड़े हो कर वह अपना दाहिना हाथ वधू के कन्धे पर रखता है। दोनों का मुख उत्तर की तरफ़ होता है। तब वे प्रतिज्ञाओं से भरे मन्त्र बोलते हुए सात पग आगे चलते हैं। इसमें कल्याण के मन्त्रों का समावेश रहता है।

(७) सूर्यालोकन - हृदय स्पर्श एवं ध्रुव तथा अरुन्धती दर्शन -- सप्तपदी के बाद सूर्यदर्शन करते हुए ईश्वर से सौ वर्ष तक जीने की इच्छा प्रकट की जाती है। सूर्यालोकन के पश्चात् वर वधू का हृदय स्पर्श करते हुए कहता है "तेरे हृदय की बात को पूरा करना मैं अपना व्रत समझूँगा, मेरा चित्त तेरे चित्त के अनुकूल हो, मेरी वाणी को तू एक मन होकर सुनना, प्रजापति तुझे मेरे साथ बाँधे रखे।" इसके पश्चात् रात्रि को वर को ध्रुवतारा दिखाया जाता है। जिसका अभिप्राय यह होता है कि पत्नी की रक्षा अटल भाव से करना।

उत्तर	m (adj)	north(ern)
कन्धा	m	shoulder
पग	m	step, pace
कल्याण	m	good fortune
समावेश	m	presence
सूर्यालोकन	m	'Sun Viewing'
हृदय-स्पर्श	m	'Heart Touch'
ध्रुव	PNm	pole star, Polaris
अरुन्धती	PNf	name of a star in Ursa Major - Alcor
व्रत	m	faithfulness; vow
चित्त	m	mind
के अनुकूल	pp	in accord with
वाणी	f	voice
तारा	m	star
अभिप्राय	m	significance, meaning
अटल	adj	fixed, steady

पत्नी को अरुन्धती तारा दिखाया जाता है जिसका अभिप्राय भी यही है कि जिस प्रकार सप्तर्षि मण्डल में अरुन्धती तारा प्रत्येक स्थिति में वसिष्ठ के साथ रहता है वैसे ही तू भी अपने पति के साथ रहना।

(८) चातुर्थि कर्म - वधू वर के घर तीन दिन तक शुद्धि के लिए ज़मीन पर निवास करती है। चौथे दिन उसका शृङ्गार किया जाता है, तथा उसके अच्छे से सजे हुए कमरे में स्वच्छ बिछे हुए पलंग पर भेज दिया जाता है। इसी दिन सुहाग रात या मधुयामिनी मनायी जाती है। काम सूत्र का मत यही है कि विवाह के चौथे दिन संयोग करना चाहिये।

हिन्दू विवाह में जिस समय वर वधू के यहाँ भोजन आदि के लिए रात्रि के

सप्तर्षि	m	'Seven Sages', Ursa Major (Big Dipper)
मण्डल	m	constellation
स्थिति	f	situation
वसिष्ठ	m	one of the Seven Sages; the star Mizar
चतुर्थि कर्म	adj+m	'Fourth Day Act'
शुद्धि	f	purity
निवास करना	m+t	to dwell
शृङ्गार	m	ornamentation
सजना	i	to be decorated
स्वच्छ	adj	clean
बिछना	i	to be spread
पलंग	m	couch, palanquin
सुहाग रात	m+t	'Marriage-ornament Night'
मधुयामिनी	f	'Honey Night'
कामसूत्र	PNm	Kāmasūtra, 'Aphorisms on Love'
संयोग	m	union

समय बरात के साथ जाता है, उस समय अनेक प्रकार की गन्दी-गन्दी गालियाँ दी जाती हैं। यद्यपि इसका शास्त्रीय विधान नहीं है, फिर भी ये सभ्य परिवारों में भी पाई जाती है। निम्न वर्ग में तो इसका बहुत ही रिवाज है। आज के लोग इसे बुरा समझते हैं। साथ ही साथ वर पक्ष के यहाँ बरात के चले जाने पर नकटौरा भी होता है। इसमें प्रायः औरतें ही आपस में वधू तथा वर बनकर अच्छा मनोरंजन करती हैं।

बरात	m	marriage party
गन्दा	adj	dirty, obscene
गाली	f	obscenity
सभ्य	adj	well-bred, cultured
नकटौरा	m	teasing, jesting
मनोरंजन	m	amusement